www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 350

सत्यमेव जयते

रोज़गार समाचार

साप्ताहिक

खण्ड 40 अंक 30 पृष्ठ 40 | नई दिल्ली 24 - 30 अक्तूबर 2015 | ₹ 8.00

भारत के लौह पुरुष–सरदार पटेल

दीपक राज़दान

सरदार पटेल को भारत की रियासतों के भारतीय गणराज्य में विलय को लेकर दिखाई गई दृढ़ता के लिये भारत के लौह पुरुष के नाम से पुकारा जाता था. उनके भाषणों से यह साफ झलकता था कि वे भारत की एकता की संरक्षा और इसके आर्थिक विकास के लिए उतने ही चिंतित थे. गुजरात के एक छोटे से गांव के पुत्र तथा जमीदार, सरदार पटेल ने विभिन्न रियासतों के राजाओं पर समय की ज़रूरत को समझने और भारतीय संघ में शामिल होने के वास्ते जोर डाला. साथ ही उन्होंने लोगों को न केवल शासन छोड़ने वाले राजाओं का सम्मान करने को कहा बल्कि उन्हें याद दिलाया कि लोकतंत्र उनके कंधों पर ढेर सारी ज़िम्मेदारियां लेकर आया है.

आजादी के बाद उभर कर आये नये भारत में उन्होंने बारंबार लोगों से कहा कि उन्हें देश का पुनःनिर्माण करने के साथ-साथ किसी भी आधार पर देश को बांटने वाली प्रवृत्तियों से सावधान रहना चाहिये. सरदार ने, जिनकी 31 अक्तूबर को जयंती होती है, कई अवसरों पर लोगों से कहा कि उन्हें यह सोचना चाहिये कि वे सबसे पहले भारतीय हैं और इसके बाद ही किसी क्षेत्र से संबंधित होते हैं.

30 मार्च, 1949 को राजस्थान संघ का उद्घाटन करते हुए उन्होंने लोगों से कहा ''याद करो कि हमें किस तरह दासता की बेड़ियों में जकड़ा गया और उस स्थिति में हम कैसे उभरे हैं. इसके बाद हमें तय करना है कि अपनी दासता की पुनरावृत्ति का कोई कारण उत्पन्न न होने दें. इसके लिये परस्पर ईर्ष्या, एकता की कमी और मानसिक संकीर्णता दोषी है.'' उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों में यहां तक कि सीमित क्षेत्र में प्रदान की गई सेवाएं फायदेमंद नहीं थीं.

यह उल्लेख करते हुए कि एकता का मूल्य असीम सतर्कता है, उन्होंने लोगों से बदलती वास्तविकताओं की पहचान करने को कहा. ''अब पहली बार भारत एक हो रहा है और यह इतिहास में पहली बार इतना विशाल हो रहा है. इसका अब समेकन करना होगा और आज़ादी की जड़ें इतनी गहरी सुनिश्चित करनी चाहिये कि इन्हें कोई हिला न पाये. इसमें राजाओं और लोगों को अपना पूरा सहयोग करना चाहिये.'' लोगों को क्षेत्रवाद के तुच्छ विचार से ऊपर उठने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि ''अब हम राज्यों के विलय के साथ एक बड़ी ताकत के तौर पर उभरे हैं, अतः तुच्छ विचारों को त्याग देना चाहिये. जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर आदि के प्रति वफादारी अब राजस्थान से संबद्ध होने की विशुद्ध भावना में परिवर्तित हो जानी चाहिये. इसके बाद हम सर्वप्रथम भारतीय हैं और बाद में राजस्थानी. हमारा अपनी जन्मस्थली से प्यार होना स्वाभाविक है,

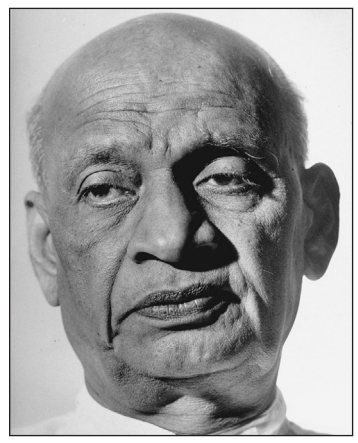

लेकिन कूएं के मेंढक का समुद्र के बाशिंदों के साथ कोई मुकाबला नहीं होता.''

सदार पटेल को इस आरोप के बारे में मालूम था कि वे रियासतों को एकजुट करने के काम में बहुत तेज़ी दिखा रहे हैं. पटियाला में 15 जुलाई, 1948 को उन्होंने अपने भाषण में कहा ''आज की दुनिया कल की दुनिया से भिन्न है. पुरानी दुनिया में चीजें धीरे-धीरे आगे बढ़ सकती थीं जब अधिक फुरसत और कम गति थी. आजकल एक दिन एक सदी के बराबर है. यदि देश को अपने वजूद और एकता को विपत्तियों और ख़तरों से बचाना है तो तीव्र विकास होना चाहिये. उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि यदि भारत को महान बनना है और ''यदि हमें राष्ट्रों की टीम में सही स्थान हासिल करना है, इसके लिये हमें कोई कहने के लिये नहीं आये, हमें इसके लिये नस-नस पर ज़ोर डालना होगा.''

उनका यह स्पष्ट मत था कि आज़ादी को हल्के से नहीं लिया जा सकता. उन्होंने 25 फरवरी, 1948 को अलवर बैठक में कहा कि ''बंदूकें उग्र स्वरूप वाले पड़ोसियों अथवा दूसरे विदेशी राष्ट्रों से स्वतंत्रता की रक्षा कर सकती हैं परंतु आंतरिक तौर पर आज़ादी को लोगों की मूलभूत ईमानदारी और स्वतंत्र नागरिक की जिम्मेदारियों की सच्ची अनुभूति ही ऐसे लोगों, पक्षों और व्यक्तियों से बचा सकती है जो उनको अपनी साजिशों का शिकार बना सकते हैं.

स्वतंत्रता के तीन वर्षों में ही लोगों के सुस्त पड़ जाने और लोगों के अनावश्यक विवादों में समय बर्बाद करने की प्रवृत्ति से चिंतित सरदार पटेल ने 1950 में अपने स्वतंत्रता दिवस संदेश में कहा कि आज़ादी हासिल कर लेने मात्र से राष्ट्र के निर्माण का काम पूरा नहीं हो गया है. उन्होंने कहा, ''हमारे सम्मुख जो कार्य हैं वे कठिन और इम्तिहान वाले हैं. वे हमसे श्रेष्ठता की मांग करते हैं जबकि हम उनसे निरपेक्ष भाव रखते हैं. हम उन चीजों पर अधिक समय लगाते हैं जो बहुत कम महत्वपूर्ण होती हैं और उन बातों के लिये समय कम देते हैं जिनका महत्व होता है. हम बातें करते रहते हैं जबकि समय की मांग कार्रवाई करने की होती है. हम दूसरे लोगों के परिश्रम को महत्वपूर्ण मानते हैं परंतु स्वयं कुछ करने की इच्छा का अभाव होता है. हम असाधारण शक्ति के साथ दूसरों से आगे निकलने की कोशिश करते हैं जबकि हमने मुश्किल से चलना सीखा है.''

14 नवंबर, 1949 को जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर एक प्रसारण में अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा, ''उद्योगपति अपने संयंत्रों और मशीनरी से ज़्यादा उत्पादन प्राप्त करने पर ध्यान दें, श्रमिक उद्योगपतियों को अपने संसाधनों का अधिक से अधिक दोहन करने में सहायता करें.'' यह सुनिश्चित करने की सरकार की जिम्मेदारी है कि वह कार्य मार्गों को साफ करे और किसी तरह की कोई बाधा उत्पन्न न हो और किसी तरह की लालफीताशाही नहीं हो. पहिया घड़ी की सुइयों के अनुरूप और सुगमता से चले तथा परस्पर दोष नहीं ढूंढ़े जाने चाहिये. व्यापारियों को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है. यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी होती है कि उनके द्वारा तैयार वस्तुएं कम से कम कठिनाई और कम से कम लागत के साथ उपभोक्ता तक पहुंचे. सरदार इस बात को लेकर चिंतित थे कि आज़ादी के तुरंत बाद श्रमिक हड़तालें

(शेष पृष्ठ 40 पर)

रोज़गार सारांश

डीएमआरसी

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लि. को लगभग 1489 स्टेशन कंट्रोलर, ट्रेन ऑपरेटर, कस्टमर रिलेशंस सहायक, कनिष्ठ इंजीनियर, कार्यालय सहायक आदि की आवश्यकता.

अंतिम तिथि : 25.11.2015 (पृष्ठ 27-29)

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा विभिन्न 722 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित.

अंतिम तिथि : 12.11.2015 (पृष्ठ 9)

कराबीनि

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नई दिल्ली को लगभग 329 प्रोफ़ेसर, एसोशिएट प्रोफ़ेसर और सहायक प्रोफ़ेसर की आवश्यकता.

अंतिम तिथि : 15.11.2015 (पृष्ठ 4)

बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सशस्त्र सेनाओं, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों की अन्य रिक्तियों के लिए अंदर के पृष्ठ देखें.

वेब विशेष

www.rojgarsamachar.gov.in पर वेब विशेष खण्ड के तहत निम्नलिखित आलेख उपलब्ध है:-

- **प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना**

www.facebook.com/yojanaJournal
www.facebook.com/publicationsdivision

Follow us on: @Employ_News

Visit our facebook page
facebook.com/director.employmentnews

क्लाउड कम्प्यूटिंग में रोजगार के अवसर

ज्योतिस्मिता तालुकदार

क्लाउड कम्प्यूटिंग शब्द का प्रयोग हाल ही में अक्सर होने लगा है, लेकिन हम में से बहुत कम लोग इसके बारे में जानते हैं. वास्तव में, क्लाउड कम्प्यूटिंग एक सामान्य प्रौद्योगिकी है, जो कुछ समय के लिए हमारे इर्द–गिर्द रहती है और लगभग सभी लोग बिना उसे पहचाने उसका इस्तेमाल करते रहते हैं. क्लाउड कम्प्यूटिंग, ''एक साधारण यूजर इंटरफेस या अप्लीकेशन फॉर्मेट का इस्तेमाल करते हुए सुदूर से कम्प्यूटर नेटवर्क अप्लीकेशन्स और डेटाबेस अप्लीकेशन्स का स्थिर संचालन'' कहलाता है. आईटी विश्व कोश **whatis.com** में क्लाउड कम्प्यूटिंग को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि ''यह इंटरनेट पर सेवा वितरण मेजबानी से सम्बद्ध किसी भी वस्तु के लिए एक सामान्य शब्द हैं''. किसी भी क्लाउड सेवा में तीन विशिष्टताएं होती है जो इसे परम्परागत मेजबानी से अलग करती हैं. इसे मांग पर बेचा जाता है, विशुद्ध रूप से मिनट या घंटों के हिसाब से; यह लचीली होती है – इस्तेमालकर्ता अपनी जरूरत के मुताबिक बहुत अधिक या बहुत कम सेवा एक निर्दिष्ट अवधि में प्राप्त कर सकता है; और सेवा पूरी तरह सेवा प्रदाता द्वारा प्रबंधित होती है. वास्तव में क्लाउड कम्प्यूटिंग ''कम्प्यूटेशन, सॉफ्टवेयर, डेटा एक्सेस, और स्टोरेज सेवाओं का संयुक्त रूप है जिसके लिए एंड-यूजर की भौतिक स्थिति की जानकारी और सेवाएं वितरण करने वाले सिस्टम के विन्यास की जानकारी की आवश्यकता नहीं है.'' इस प्रकार क्लाउड कम्प्यूटिंग एक कम्प्यूटेशनल पैराडाइम है जो संसाधनों, अल्पीकेशन्स, हार्डवेयर अथवा कम्प्यूटेशन के उपभोग पर आधारित है, जिसकी सुविधा इंटरनेट द्वारा प्रदान की जाती है जिसे मांग के अंतर्गत उपभोग किया जाता है.

यदि उपरोक्त भाषा भी आपको कठिन लगती है, तो बुनियादी चीजों की ओर लौटकर क्लाउड कम्प्यूटिंग को समझा जा सकता है. नेटवर्किंग के पुराने दिनों की याद करें जब गूगल, याहू अस्तित्व में नहीं आए थे, तो कम्पनियां ई-मेल को एक अनुप्रयोग के रूप में संचालित करती थीं, जिसका डेटा इन-हाउस स्टोर किया जाता था, जो अंततः संख्या में इतना बढ़ जाता

था कि उसे स्टोर और सुरक्षित रखना कठिन हो जाता था. 20वीं सदी में गूगल ने ई-मेल के इस्तेमाल में क्रांति ला दी. गूगल ने इसे ग्राहकों के लिए एक वाणिज्यिक अभियान बना दिया, लेकिन इन कम्पनियों ने अपने सर्वरों पर निःशुल्क जानकारी स्टोर करने की सुविधा जारी रखी. परन्तु, उन्होंने इसके लिए जानकारी को स्टोर और सम्प्रेषित करने के लिए विभिन्न अनुप्रयोगों जैसे जी-मेल, याहू मेल और कई अन्य मेल्स का इस्तेमाल करते हुए, कई नयी पद्धतियों को प्रचारित किया. यही क्लाउड कम्प्यूटिंग का सारांश है, जिसमें हम अपने संगठन के अप्लीकेशन्स के संचालन के लिए सुदूर स्थित अन्य लोगों के सर्वरों का इस्तेमाल करते हैं.

इन दिनों क्लाउड कम्प्यूटिंग का इस्तेमाल व्यापक रूप में बढ़ रहा है. 21वीं सदी के दौरान क्लाउड कम्प्यूटिंग का और भी विकास हुआ है. विभिन्न विश्लेषण तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए क्लाउड कम्प्यूटिंग का प्रयोग अब अनेक बड़े संगठनों के व्यापारिक भविष्य का निर्धारण करने के लिए किया जा रहा है. हम जब भी किसी क्लाउड का प्रयोग करते हैं, हमारा कम्प्यूटर सर्वरों के नेटवर्क के साथ संवाद कायम करता है. परिणामस्वरूप हम कई तरीके से लाभान्वित होते हैं:

1. **धन का मूल्य:** क्लाउड कम्प्यूटिंग हमें अल्पावधि के आधार पर कम्प्यूटिंग संसाधनों के इस्तेमाल के मुताबिक भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है. यह इस बात की क्षमता भी प्रदान करता है कि जब आवश्यकता न रहे तो संसाधनों को छोड़ा जा सकता है.
2. **आकार सक्षमता में वृद्धि:** आईटी संसाधनों का पूल प्रदान करते हुए, और साथ ही सामूहिक रूप से उसके इस्तेमाल के लिए उपकरण एवं प्रौद्योगिकी प्रदान करते हुए, क्लाउड तत्काल और गतिशीलता के साथ उपभोक्ताओं को आईटी संसाधन आवंटित करता है. इस प्रकार यह मांग श्रृंखला के अनुसार आपूर्ति करता है.
3. **उपलब्धता और विश्वसनीयता में वृद्धि:** यह सुविधा बिजनेस प्रक्रिया को बढ़ावा देने में मदद करती है. क्लाउड पर आईटी संसाधन

(शेष पृष्ठ 39 पर)

क्लाउड कम्प्यूटिंग.....

(पृष्ठ 1 का शेष)

अधिक मात्रा में दीर्घावधि के लिए उपलब्ध रहते हैं, जिससे उनकी उच्चस्तरीय उपलब्धता की गारंटी दी जाती है.

क्लाउड प्रदाता द्वारा प्रदान किए गए आईटी संसाधनों के प्री-पैकेज्ड समीकरण के आधार पर क्लाउड डिलिवरी के अनेक मॉडल हैं. आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले तीन क्लाउड डिलिवरी मॉडल नीचे दिए गए है:

(i) **एक सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर (एसएएएस):** ये सेवाएं इंटरनेट पर अप्लीकेशन्स हैं. इस्तेमालकर्ता वेब-ब्राउसर का इस्तेमाल करते हुए इन अप्लीकेशन्स का संचालन कर सकता है. इस तरह की सेवाओं के प्रकार का एक उदाहरण गूगल डॉक्स है.

(ii) **सेवा के रूप में प्लेटफार्म (पीएएएस):** इस प्रकार की सेवाएं ऑन लाइन अप्लीकेशन या सेवाओं की तैनाती पर केन्द्रित होती हैं, जो डिवेलेपर को सोल्यूशन्स सहित आवश्यक हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर प्रबंधित करने की अनुमति देती है. इस सेवा के अंतर्गत अप्लीकेशन्स/सर्विस की तैनाती के सभी जीवन-चक्र शामिल हैं, जैसे डिजाइन, कार्यान्वयन, परीक्षण, स्थापना, डेटाबेस के साथ एकीकरण आदि. इन सेवाओं का एक उदाहरण गूगल ऐप इंजन है.

(iii) **सेवा के रूप में ढांचा (आईएएएस):** ये सेवाएं एक कम्प्यूटर आर्किटेक्चर प्रदान करती हैं. सभी सेवाएं, कनेक्शन्स, सॉफ्टवेयर या अन्य संसाधन सेवा प्रदाता द्वारा प्रदान किए जाते हैं. इस्तेमालकर्ता समूचे ढांचे को अपने संगठन में महसूस करता है.

आइए क्लाउड कम्प्यूटिंग के बारे में सर्वाधिक प्रयुक्त होने वाले कुछ शब्दों पर रोशनी डालें:

1. **क्लाउड प्रोवाइडर (प्रदाता):** वह संगठन जो क्लाउड आधारित आईटी संसाधन उपलब्ध कराता है, उसे क्लाउड प्रदाता कहा जाता है. उसके नियंत्रण में आईटी संसाधन होते हैं, जो क्लाउड उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाते हैं.
2. **क्लाउड उपभोक्ता:** कोई संगठन या मानव, जिसने किसी क्लाउड प्रदाता के साथ उसके द्वारा प्रदत्त आईटी संसाधनों का इस्तेमाल करने के बारे में औपचारिक अनुबंध या व्यवस्था की हो, क्लाउड उपभोक्ता कहलाता है.
3. **क्लाउड सेवा स्वामी:** ऐसा व्यक्ति या संगठन जो वैधानिक रूप से किसी क्लाउड सेवा का नियंत्रक हो, क्लाउड सेवा स्वामी कहलाता है. यह क्लाउड उपभोक्ता अथवा क्लाउड प्रदाता हो सकता है, जिसके नियंत्रण सेवा में क्लाउड सेवा हो.
4. **क्लाउड संसाधन प्रबंधक:** क्लाउड संसाधन प्रबंधक ऐसा व्यक्ति अथवा संगठन होता है, जो क्लाउड आधारित आईटी संसाधन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार हो.

क्लाउड तीन प्रकार के होते हैं:

(i) **पब्लिक (सार्वजनिक) क्लाउड:** सार्वजनिक क्लाउड या बाहरी क्लाउड, एक परम्परागत तरीका है, जिसमें किसी तृतीय पक्ष द्वारा इंटरनेट के जरिये सेवाएं प्रदान की जाती हैं और वे सभी के लिए दर्शनीय होती हैं.

(ii) **प्राइवेट क्लाउड:** इस तरह के क्लाउड में प्राइवेट अप्लीकेशन्स, स्टोरेज, या कम्प्यूटेशन्स की मेजबानी शामिल है जो इंटरनेट पर क्लाउड के अनुकरण के रूप में संबद्ध कम्पनी में प्रदान की जाती है, परन्तु इसका इस्तेमाल केवल प्राइवेट (निजी नेटवर्कों के लिए) रूप में किया जाता है.

(iii) **हाईब्रिड क्लाउड:** यह पब्लिक और प्राइवेट क्लाउड का मिला जुला रूप है. कोई संगठन सेवाओं का कुछ हिस्सा अपने ढांचे में रख सकता है, लेकिन उन्हें पब्लिक क्लाउड में भी रख सकता है. यह एक अच्छा विकल्प है क्योंकि जब कभी हमें अपने डेटा या अप्लीकेशन की स्थानीय रूप में आवश्यकता पड़े और हम ढांचे में अधिक निवेश करना न चाहते हों, तो यह विकल्प कारगर होता है.

क्लाउड कम्प्यूटिंग में रोजगार की कितनी संभावनाएं हैं ?

यह देश के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग का संचालन करने वाले 28 लाख सशक्त कार्मिकों के लिए एक सुदृढ़ संदेश है. हाल ही में क्लाउड क्षेत्र में मांग में बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिसकी परिणिति संस्थापना और रख-रखाव इंजीनियरों की भारी मांग के रूप में सामने आयी है. हालांकि क्लाउड कम्प्यूटिंग की जड़े 21वीं सदी के प्रारंभ में निहित रही हैं, फिर भी भारत ने पिछले तीन दशकों के दौरान उद्योग क्षेत्र में इसकी वृद्धि देखी है, जहां कम्प्यूटिंग का काम कम्पनी के परिसर में प्रोडक्ट संस्थापित करने की बजाय इंटरनेट पर एक सेवा के रूप में किया जाता रहा है. एक अध्ययन के अनुसार विश्लेषकों ने यह पाया है कि भारत में 2016 के अंत तक क्लाउड क्षेत्र में रोजगार के 20 लाख नए अवसर उपलब्ध होंगे. अब यह आईटी इंजीनियरों के लिए अनिवार्य हो गया है कि वे क्लाउड बाजार के बदलते माहौल के प्रति अपने को ढालें. ईएमसी और ज़िन्नोव मैनेजमेंट कन्सल्टिंग द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार अनुमान है कि भारत में कुल क्लाउड बाजार 40 करोड़ अमरीकी डॉलर मूल्य का है, जिसके 2015 के अंत तक 4.5 अरब अमरीकी डॉलर पर पहुंच जाने की उम्मीद है. इससे प्राइवेट क्लाउड बाजार में रोजगार की संभावनाएं बढ़ गयी हैं, जहां विशेष कम्पनियों के लिए ढांचे का संचालन किया जाता है. उम्मीद की जा रही है कि आईटी से सम्बन्धित रोजगार के वर्तमान 10,000 अवसर 2015 के अंत तक बढ़कर 1,00,000 हो जायेंगे. क्लाउड कम्प्यूटिंग बाजार के अविष्कार के साथ इंटरप्राइज क्लाउड आर्किटेक्ट जैसे अनेक नए पद उभरे हैं, जो आईटी ढांचे और अप्लीकेशन्स दोनों की जानकारी रखते हैं; और जो अप्लीकेशन फ्रेमवर्कों का डिजाइन और प्रबंधन कर सकते हैं. तकनीकी रोजगार परिदृश्य के अलावा, क्लाउड आधारित सोल्यूशन के विपणन और बिक्री के लिए अनेक विपणन रोजगारों की भी मांग इन दिनों बढ़ी है.

क्लाउड कम्प्यूटिंग क्षेत्र से सम्बन्धित उद्योग: क्लाउड कम्प्यूटिंग का तेजी से विस्तार हो रहा है, और यह अधिकाधिक आईटी उद्यम कार्य नीतियों को प्रभावित कर रहा है. बैंकिंग से लेकर खुदरा और उद्योगों तक सभी अनुपालन पूरे करने के लिए क्लाउड कम्प्यूटिंग का सहारा लेने लगे हैं. क्लाउड कम्प्यूटिंग का इस्तेमाल करने वाले कुछ उद्योग इस प्रकार हैं:

1 **बैंकिंग:** बैंकों में एसएएएस और आईएएएस प्रारूपों में प्राइवेट क्लाउड का इस्तेमाल किया जाता है.
2 **शिक्षा और अनुसंधान:** ई-मेल, सहयोगात्मक और बैक-ऑफिस जैसे कार्यों में एसएएएस और आईएएएस.
3 **सरकारी क्षेत्र:** प्राइवेट क्लाउड, ई-मेल और एसएएएस/आईएएएस.
4 **स्वास्थ्य देखभाल:** प्रशासन, इमेजिंग, मेडिकल रिकॉर्ड्स
5 **बीमा:** नोनकोर अप्लीकेशन्स, एसएएएस.
6 **मीडिया:** विषय वस्तु प्रबंध, वितरण और विश्लेषण.
7 **विनिर्माण:** एसएएएस
8 **खुदरा व्यापार:** आईएएएस, पीएएएस, एसएएएस

क्लाउड कम्प्यूटिंग कोर्स संचालित करने वाले संस्थान और विश्वविद्यालय

नवीन प्रवृत्ति को देखते हुए गिने चुने संस्थान और विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए एक भावी रोजगार के रूप में वर्तमान में क्लाउड कम्प्यूटिंग में पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं. परन्तु, इस प्रवृत्ति में बढ़ोतरी की उम्मीद है और सभी विश्वविद्यालय निकट भविष्य में क्लाउड कम्प्यूटिंग पाठ्यक्रमों के संचालन की व्यवस्था कर रहे हैं. इस तरह के पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अपेक्षित योग्यता मुख्य रूप से विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान जैसे विषयों के साथ 10+2 उत्तीर्ण करना है. इस पाठ्यक्रम को करते समय आईटी क्षेत्र की जानकारी रखना लाभदायक सिद्ध हो सकता है. आईटी की कोई ठोस जानकारी क्लाउड कम्प्यूटिंग प्रारंभ करने के लिए उतनी आवश्यक नहीं है क्योंकि ये पाठ्यक्रम क्लाउड कम्प्यूटिंग की जानकारी के अतिरिक्त कम्प्यूटर विज्ञान में सभी बुनियादी जानकारी भी प्रदान करता है. पूर्वोत्तर क्षेत्र में अनेक विश्वविद्यालय क्लाउड और मोबाइल टेक्नोलॉजी को अपने स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में शामिल करेंगे, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को इस विकासमान क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे. यूनिवर्सिटी ऑफटेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट (यूटीएम), शिलांग, ने विद्यार्थियों को क्लाउड कम्प्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन में विशेषज्ञता के साथ कम्प्यूटर विज्ञान में बी.टेक पाठ्यक्रम पहले ही उपलब्ध करा दिया है. यूटीएम पेट्रोलियम एवं ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून (यूपीईएस) का सहयोगी विश्वविद्यालय है, जो बहुत पहले उद्योग के लिए तैयार विद्यार्थियों के वास्ते आईटी और प्रबंधन बाजार ने रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कम्प्यूटिंग पाठ्यक्रम शुरू कर चुका था. कई अन्य विश्वविद्यालय भी क्लाउड कम्प्यूटिंग में बी.टेक पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं, इनमें गलगोटियाज यूनिवर्सिटी (नोएडा), डीयूसीएटी (नोएडा) एपीजे सत्य यूनिवर्सिटी (गुड़गांव), एनआईटी त्रिची, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफहार्डवेयर टेक्नोलॉजी (आईआईएसटी), पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर (बीसीए-आईटी-आईएमएस और क्लाउड टेक्नोलॉजी) आदि शामिल हैं.

(लेखिका यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (यूटीएम), शिलांग के सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र में सहायक प्रोफेसर हैं.
ई-मेल: jyotismita4@gmail.com, jtalukdar@utm.ac.in

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
COCHIN SHIPYARD LIMITED
(A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE)
(P&A Department)
Kochi - 682 015

सं. पी एवं ए/18(184)/12

अशक्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित पदों को भरने हेतु विशेष भर्ती अभियान

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, देश में प्रधान शिपयार्ड और भारत सरकार की एक मिनी रत्न कंपनी, अशक्त व्यक्तियों के लिए आरक्षित निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन आमंत्रित करती है :-

ए. पद, रिक्तियां, योग्यता और अनुभव

क्र. सं.	पद का नाम ग्रेड एवं वेतनमान	विधा	रिक्तियों की सं./ आरक्षण ब्योरा	योग्यता	अनुभव	आयु
1. कार्यकारी पद						
(क)	उप प्रबंधक, ई-2 ग्रेड, 20600-46500	वित्त	1- (वीएच)	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों के साथ डिग्री और चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया/ इंस्टीट्यूट ऑफ कोस्ट एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया की अंतिम परीक्षा पास की हो.	वित्तीय नीतियों, वित्तीय मूल्यांकन, निधि प्रबंधन, बजटिंग और लेखाकारिता, कराधान, ऑडिट आदि के क्षेत्रों में वृहद सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम या भारी इंजीनियरी कंपनी के वित्त विभाग में न्यूनतम सात वर्ष का योग्यता उपरांत अनुभव	35 वर्ष से अधिक न हो
2. वर्कमैन पद						
(क)	वेल्डर सह फिटर वेतनमान-डब्ल्यू-6 रु. 8900-18500		11-पद (वीएच-5, एचएच-3, ओएच-3)	एसएसएलसी, आईटीआई (राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र) और अखिल भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड परीक्षा (नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमाणपत्र) निम्नलिखित ट्रेडों में से किसी एक में पास हो या भूतपूर्व सैनिकों के मामले में समकक्ष योग्यताएं (क) फिटर स्ट्रक्चरल/ पाइप (प्लम्बर) शीट मेटल वर्कर/ वेल्डर (गैस और इलेक्ट्रिक) **या** (ख) फिटर या मेकेनिक (मोटर वाहन/ डीजल/ट्रेक्टर/ अर्थमूविंग मशीनरी)	शिपबिल्डिंग, शिपरिपेयर यार्ड या भारी इंजीनियरी कंपनी में निम्नलिखित क्षेत्रों में पांच वर्ष का अनुभव. (i) गैस कटिंग और वेल्डिंग (गैस और इलेक्ट्रिक, मैनुअल, ऑटोमेटिक, एमआईजी/ सेमी-ऑटो मेटिक स्पेशल वेल्डिंग), गोजिंग, गैस और इलेक्ट्रिक ब्रेजिंग, फ्लेम हिटिंग, चिपिंग और ग्राइंडिंग, स्टेजिंग और हेंडलिंग आदि. **या** (ii) मशीनों का प्रयोग करते हुए निर्माण कार्य जैसे बैंडिंग मशीन, शियरिंग मशीन, हाइड्रोलिक प्रेसिस आदि और/या अन्य हैवी डयूटी क्रेन्स हाइड्रोलिक प्रेसिस, कम्प्रेसर्स, न्यूमैटिक टूल्स आदि की मरम्मत और अनुरक्षण (iii) इलेक्ट्रॉन, पम्प, जनरेटर्स, कम्प्रेसर्स, मरीन इंजन थर्मल पावर स्टेशन, आग्जिलरी आदि की मरम्मत और अनुरक्षण या (iv) पाइप फिटर के रूप में अनुभव पाइप शॉप अनुभव सहित जैसे कटिंग, बेंडिंग, फ्रेब्रिकेशन, वेल्डिंग प्रेसर टेस्टिंग, सफेंस ट्रीटमेंट आदि.	35 वर्ष से अधिक न हो
(ख)	फिटर (इलेक्ट्रिकल) वेतनमान-डब्ल्यू-6 रु. 8900-18500		2 पद (एचएच-1, ओएच-1)	एसएसएलसी, आईटीआई (राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र) अखिल भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड परीक्षा (नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमाणपत्र) इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में पास या भूतपूर्व सैनिकों के मामले में समकक्ष योग्यता	शिप बिल्डिंग/ शिप रिपेयर यार्ड या भारी इंजीनियरी कंपनी में सब स्टेशन, एचटी/ एलटी स्विचगियर्स के इस्टालेशन, ट्रांसफार्मर्स, इलेक्ट्रिकल उपस्करों के अनुरक्षण, प्रचालन की देखरेख में मैकेनिक या इलेक्ट्रिशियन के रूप में पांच वर्ष का अनुभव	35 वर्ष से अधिक न हो
(ग)	जनरल वर्कर (कैंटीन) वेतनमान-डब्ल्यू-1 रु. 6600-13200		2-पद (वीएच-1, ओएच-1)	VII स्तर पास. सरकारी खाद्य शिल्प संस्थान से खाद्य उत्पादन/ खाद्य और बीवरेज सेवा में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सहित उम्मीदवार/ केन्द्र/ राज्य सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त संस्थान से केटरिंग और रेस्टोरेंट प्रबंधन में दो वर्षीय वोकेशनल प्रमाणपत्र वरीय होगा	फैक्टरी कैंटीन में कम से कम 250 कामगारों के लिए भोजन तैयार करने या उन्हें भोजन परोसने/3 सितारा होटल/ ख्याति प्राप्त और लाइसेंस फूड केटरिंग सेवा एजेंसी में पांच वर्ष का अनुभव. मलयालम का ज्ञान वांछनीय है	35 वर्ष से अधिक न हो

बी. आयु : सभी पदों के लिए निर्धारित आयु सीमा 10 नवं. 2015 को होगी. ऊपरी आयु सीमा शावि (अजा/अजजा) उम्मीदवारों के लिए 15 वर्ष, शावि (अपिव) उम्मीदवारों के लिए13 वर्ष और शावि (अनारक्षित) उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष शिथिलनीय है.

ग. डाक द्वारा आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि : 10 नवंबर 2015 है

आवेदन प्रपत्र और योग्यता, अनुभव पर विवरणों और अन्य शर्तों के लिए हमारी वेबसाइट **www.cochinshipyard.com** देखें.

''किसी भी प्रकार का पक्षप्रचार आयोग्यता होगा''

''केवल भारतीय नागरिक आवेदन करें''

रो.स. 30/3 **महा. प्रबंधक (एचआर)**

रोज़गार समाचार

पुष्पेंदर कौर (महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक)	**ई-मेल-महाप्रबंधक एवं मुख्य संपादक**
डॉ. ममता रानी (संपादक)	**director.employmentnews@gmail.com**
हसन जिया (वरिष्ठ संपादक)	**विज्ञापन : enewsadvt@yahoo.com**
अयिनीडि वेंकटण्यय्या (संपादक विज्ञापन)	संपादकीय : : 26163055
गोपाजीत दास (संपादक)	विज्ञापन : 26104284
वी. के. मीणा (संयुक्त निदेशक) (उत्पादन)	टेलीफैक्स : 26193012
संदीप निगम (उत्पादन अधिकारी)	वितरण : 26107405
पी.के. मंडल (वरिष्ठ कलाकार)	टैलीफैक्स : 26175516
के.पी. मणिलाल (लेखा अधिकारी)	प्रोडक्शन : 26177529
जगदीश चंद्र जायसवाल (व्यापार कार्यपालक) (वितरण)	लेखा (विज्ञापन) : 26193179 लेखा (वितरण) : 26182079